15-12-2021

दैनिक नगर छाया
आप की आवाज़.....
WWW.nagarchhaya.com
प्रादेशिक

11 जनवरी को होगा राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी मीठा 2022 का आयोजन

'चीनी एवं स्वास्थ्य मिथक और हकीकत' होगा विषय

कानपुर (नगर छाया समाचार)। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि एन.यस.आई एवं इंडियन शुगर मिल एसोसिएशन के द्वारा संयुक्त रुप से कृत्रिम मीठे पदार्थ बनाने वाली कंपनियां एवं मार्केटिंग एजेंसियों द्वारा चीनी के मानव स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव के बारे में पूर्ण रूप से सही सूचना न प्रदान कर शक्कर विरोधी मानसिकता सुधार करने का कार्य किया जा रहा है, यह एक चिंताजनक स्थिति है जब इस प्रकार फैलाई जा रही है गलत धारणा के तहत लोग चीनी के स्थान पर कृत्रिम मीठे पदार्थों को अपनाने को एक स्वास्थ्य विकल्प मानने लगे हैं जबकि कार्बोहाइड्रेट के रूप में चीनी संतुलित आहार का सस्ता सुलभ एवं संतुलित घटक है। इस झूठे प्रचार के बारे में लोगों को जागरूक करने एवं उनको सही स्थिति से अवगत कराने और संतुलित आहार में चीनी की आवश्यकता के बारे में जागरूक करने हेतु इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है,जिसको प्रमुख रूप से महानिदेशक वर्ल्ड शुगर रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन निदेशक राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के अतिरिक्त पोषण विद और डायबिटीज स्पेशलिस्ट डॉक्टर संबोधित करेंगे। प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की चीनी के प्रकारों एवं उनके विभिन्न कार्यों में उपयोगिता को भी प्रदर्शित किया जाएगा। साथ ही गुड़ जो कि एक पारंपरिक सेहतमंद मीठा खाद्य पदार्थ माना जाता है,उनके भी विभिन्न प्रकार का प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शनी में विभिन्न चीनी व गुड़ निर्माताओं द्वारा अपने स्टाल लगाए जाएंगे, जिन पर यह उत्पाद रियायती दरों पर उपलब्ध होंगे। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा इस अवसर पर गुड़ की चाय, ताजे गन्ने का रस, गन्ने के रस से बनी खीर एवं गुण पर आधारित बेकरी उत्पादों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन सुधांशु पांडे (सचिव) खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण भारत सरकार द्वारा किया जाएगा। सम्मेलन को सुबोध कुमार सिंह (संयुक्त सचिव) शर्करा एवं प्रशासन भारत सरकार भी संबोधित करेंगे।

संतुलित डाइट का हिस्सा है चीनी

एनएसआई में 11 जनवरी 2022 को होगा एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन व प्रदर्शनी का आयोजन

वार्ता करते एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन व अन्य।

(आज समाचार सेवा)
कानपुर, 14 दिसम्बर। डॉयबिटीज, दांतों की सड़न होना, वजन बढ़ना और बच्चों में उत्तेजना बढ़ना आदि कई समस्याओं का मुख्य कारण चीनी नहीं है। बल्कि इसके चीनी के अलावा अन्य कई कारण हो सकते है, जिसका शोध होना चाहिये। इसको लेकर आगामी 11 जनवरी 2022 को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में देश के विशेषज्ञ मंथन-चर्चा करेंगे। 11 जनवरी को ही एनएसआई के सभागार में चीनी एवं स्वास्थ्यः मिथक और हकीकत विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी मीठा-2022 का आयोजन होगा, जिसमें वर्ल्ड शुगर रिसर्च आर्गेनाइजेशन की डायरेक्टर जनरल एनी डेनी, इंटरनेशनल शुगर जनरल लंदन के संपादक अरविंद , अमेरिकन शुगर रिफाइनरी कनाडा के कंसल्टेंट अहमद वावडा समेत दो न्यूट्रिशनिस्ट और एक डॉयबिटीज स्पेशलिस्ट अपना व्याख्यान देंगे। यह जानकारी राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने आज पत्रकारों को दी। निदेशक ने कहाकि एक दिवसीय सम्मेलन व प्रदर्शनी का उदघाटन खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के सचिव सुधांशु पांडेय करेंगे। केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के भी रहने की सम्भावना है सम्मेलन के साथ एक एक्सपो मीठा-2022 भी लगेगा, जिसमें विभिन्न इंडस्ट्री चीनी के विभिन्न स्वरूप व गुड़ से तैयार उत्पाद का प्रदर्शन करेंगी। इसमें उप्र सरकार का भी एक स्टॉल होगा, जिसमें निर्यात किए जाने वाले गुड़ के बारे में जानकारी दी जाएगी। एनएसआई भी पोस्टर के माध्यम से चीनी व गुड़ स्वास्थ्य के लिए कितना जरूरी आदि के बारे में जानकारी देगा।उन्होंने कहाकि मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा चीनी के विकल्प के रूप में प्रयोग किए जा रहे उत्पादों पर भी शोध करने पर जोर दिया। प्रदर्शनी में में गुड़ की चाय, ताजे गन्ने का रस, गन्ने के रस से बनी खीर, गुड़ पर आधारित बेकरी उत्पादों को बिक्री के लिए भी रखा जाएगा, जोकि लोगों के लिए कम रेट पर होगा। वार्ता में डा. अशोक कुमार, डा, बृजेश कुमार आदि थे।

विकल्प उत्पादों पर शोध की जरूरत

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी मीठा 2022 को लेकर प्रेस वार्ता का हुआ आयोजन

संवाददाता/कुमारअरुण

कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने प्रेस वार्ता कर बताया की एन. यस. आई एवं इंडियन शुगर मिल एसोसिएशन के द्वारा संयुक्त रुप से कृत्रिम मीठे पदार्थ बनाने वाली कंपनियां एवं मार्केटिंग एजेंसियों द्वारा चीनी के मानव स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव के बारे में पूर्ण रूप से सही सूचना न प्रदान कर शक्कर विरोधी मानसिकता सुधार करने का कार्य किया जा रहा है यह एक चिंताजनक स्थिति है जब इस प्रकार फैलाई जा रही है गलत धारणा के तहत लोग चीनी के स्थान पर कृत्रिम मीठे पदार्थों को अपनाने को एक स्वास्थ्य विकल्प मानने लगे हैं जबकि कार्बोहाइड्रेट के रूप में चीनी संतुलित आहार का रास्ता सुलभ एवं संतुलित घटक है इस झूठे प्रचार के बारे में लोगों को जागरूक करने एवं उनको सही स्थिति से अवगत कराने और संतुलित आहार में चीनी की आवश्यकता के बारे में जागरूक करने हेतु इस कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है जिसको प्रमुख रूप से महानिदेशक वर्ल्ड शुगर रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन निदेशक राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के अतिरिक्त पोषण विद और डायबिटीज स्पेशलिस्ट डॉक्टर संबोधित करेंगे प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की चीनी के

प्रकारों एवं उनके विभिन्न कार्यों में उपयोगिता को भी प्रदर्शित किया जाएगा साथ ही गुण जो कि एक पारंपरिक सेहतमंद मीठा खाद्य पदार्थ माना जाता है उनके भी विभिन्न प्रकार का प्रदर्शन किया जाएगा प्रदर्शनी में विभिन्न चीनी व गुरु निर्माताओं द्वारा अपने स्टाल लगाए जाएंगे जिन पर यह उत्पाद रियायती दरों पर उपलब्ध होंगे राष्ट्रीय शर्करा संस्थान द्वारा इस अवसर पर गुड़ की चाय ताजे गन्ने का रस गन्ने के रस से बनी खीर एवं गुण पर आधारित बेकरी उत्पादों को भी प्रदर्शित किया जाएगा कार्यक्रम का उद्घाटन सुधांशु पांडे (सचिव) खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण भारत सरकार द्वारा किया जाएगा सम्मेलन को सुबोध कुमार सिंह (संयुक्त सचिव) शर्करा एवं प्रशासन भारत सरकार द्वारा संबोधित करेंगे

चीनी के खिलाफ साजिश का करेंगे पर्दाफाश

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। कृत्रिम मिठास बनाने वाली कंपनियां और मार्केटिंग एजेंसियां चीनी को सेहत के लिए नुकसानदेह बताकर साजिश रच रही हैं। हकीकत यह है कि कार्बोहाइड्रेट के रूप में चीनी संतुलित आहार का एक हिस्सा होता है। कृत्रिम मिठास बनाने वाली यह कंपनियां लोगों में चीनी विरोधी मानसिकता को सुदृढ़ कर रही हैं। यह बातें नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने पत्रकार वार्ता में कहीं।

प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने बताया कि लोगों को सही जानकारी देने के लिए एनएसआई और इंडियन शुगर मिल एसोसिएशन के बैनर तले चीनी एवं स्वास्थ्य-मिथक और हकीकत विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 11 जनवरी को किया जाएगा। इस मौके पर प्रदर्शनी मीठा-2022 का भी आयोजन होगा।

उन्होंने बताया कि कृत्रिम मिठास बनाने वाली कंपनियों के गलत जानकारी देने से लोग चीनी के स्थान पर कृत्रिम मीठे पदार्थों को स्वस्थ विकल्प मानने लगे हैं। यह स्थिति चिंताजनक है। लोगों में गलत धारणा बन रही है। चीनी विरोधी मिथ्या प्रचार के संबंध में लोगों

एनएसआई में अशोक गर्ग, निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन और बृजेश सिंह ने सम्मेलन संबंधी विभिन्न जानकारियां दीं। संवाद

को जागरूक करने और हकीकत से अवगत कराने के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें वर्ल्ड शुगर रिसर्च आर्गेनाइजेशन के महानिदेशक, पोषणविद् और डायबिटीज रोग विशेषज्ञ लोगों को जानकारी देंगे। इस मौके पर गुड़ की चाय, गन्ने के रस से बनी खीर, गुड़ पर आधारित बेकरी उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय सचिव खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण सुधांशु पांडेय करेंगे। संयुक्त सचिव सुबोध कुमार सिंह भी विचार व्यक्त करेंगे।

शर्करा संस्थान चीनी और सेहत को लेकर करेगा मंथन

कानपुर (एसएनबी)। चीनी के सेवन को लेकर समाज में व्याप्त भ्रांतियों को लेकर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान ने आगामी 11 जनवरी को एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के साथ ही, 'मीठा-2022' प्रदर्शनी आयोजित की है। कार्यक्रम का उद्घाटन सचिव खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण या केन्द्रीय राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति से कराने की तैयारी है। संयुक्त सचिव, शर्करा एवं प्रशासन, भारत सरकार सुबोध कुमार सिंह भी कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

संस्थान निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने मंगलवार प्रेसवार्ता कर उक्त आयोजन की जानकारी दी। बताया कि कृत्रिम मीठे पदार्थ बनाने वाली कंपनियां एवं मार्केटिंग एजेंसियों द्वारा चीनी के मानव स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव के बारे में पूर्ण रूप से सही सूचना न प्रदान कर चीनी (शक्कर) विरोधी मानसिकता को सुदृढ़ करने का कार्य किया जा रहा हैं। यह एक चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने कहा कि कार्बोहाइड्रेट के रूप में चीनी संतुलित आहार का सस्ता, सुलभ व संतुलित घटक है। यही कारण है कि इसे आवश्यक वस्तु अधिनियम के दायरे में रखा गया है व राशन दुकानों से इसका वितरण किया जाता हैं। चीनी के

शर्करा संस्थान में पत्रकारों से वार्ता करते निदेशक डॉ. नरेंद्र मोहन। फोटो : एसएनबी

'मीठा-2022' प्रदर्शनी में बिक्री व प्रदर्शन के लिए उपलब्ध होंगे गुड़ व चीनी आधारित कई विशिष्ट उत्पाद

अत्यधिक सेवन से जरूर कुछ नुकसान हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि उक्त मिथ्या प्रचार के बारे में लोगों को जागरूक करने, उनको सही वस्तुस्थिति से अवगत कराने और संतुलित आहार में चीनी की आवश्यकता के बारे में जागरूक करने हेतु ही उक्त सम्मेलन का आयोजन रखा गया है। सम्मेलन में महानिदेशक वर्ल्ड शुगर रिसर्च आर्गनाइजेशन ऐमिनी डैनी, इंटरनेशनल शुगर जर्नल, लंदन के अरविंद चुदासमा, अमेरिकन शुगर रिफाइनिंग कंपनी , कनाडा के कंसलटेंट अहमद वावड़ा के अलावा पोषणविद् व डायबिटीज स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स संबोधित करेंगे।

प्रदर्शनी में बाजार से सस्ती दरों पर बेचे जायेंगे उत्पाद : सम्मेलन के अवसर पर 'मीठा-2022' नाम से एक प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी। प्रदर्शनी में लगने वाले स्टॉलों पर देश की कई बड़ी कंपनियां गुड़ व चीनी आधारित विशिष्ट स्वादिष्ट उत्पादों का प्रदर्शन करने के साथ ही बाजार से सस्ती दरों पर बिक्री का कार्य करेंगी। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ शुगर केन रिसर्च व राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का स्टॉल भी होगा। प्रदर्शनी में गुड़ की चाय, ताजे गन्ने का रस, गन्ने के रस से बनी खीर, गुड़ आधारित बेकरी-केक के साथ ही विभिन्न प्रकारण के चीनी गुड़, खांडसारी आदि प्रदर्शित किये जायेंगे। संबद्ध खाद्य पदार्थों के सेवन की उपयोगिता व लाभ से भी आमजनों को अवगत कराया जायेगा।